

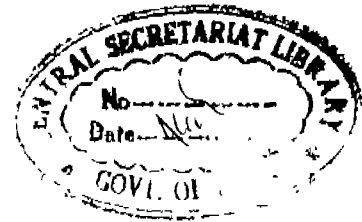


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 204]
No. 204]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 3, 1996/अग्रहायण 12, 1918
NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 3, 1996/AGRAHAYANA 12, 1918

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1996

अंतिम निष्कर्ष

विषय : रूस तथा कजाकिस्तान मूल के अथवा वहां से निर्यातित लो कार्बन फेरो क्रोम (एल.सी.एफ.सी.) के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच-अंतिम निष्कर्ष।

47/एडीडी/94-वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, मूलांकन तथा संग्रहण और क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए।

क्रियाविधि

2. निम्नलिखित क्रियाविधि अपनायी गयी है :

- निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) ने दिनांक 23 मई, 1996 की अधिसूचना सं. 47/एडीडी/94 द्वारा प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया तथा इच्छुक पार्टियों से अनुरोध किया कि वे इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचार व्यक्त करें।
- प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजते समय सभी ज्ञात इच्छुक पार्टियों को पत्र की तारीख के 40 दिन के भीतर प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने के लिए अनुरोध किया गया था।
- प्राधिकारी ने रूस तथा कजाकिस्तान के नई दिल्ली स्थित दूतावास को भी प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति इस अनुरोध के

साथ भेजी कि रूस तथा कजाकिस्तान में निर्यातकों तथा अन्य इच्छुक पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों के बारे में अपने विचार प्रस्तुत करने की सलाह दी जाए।

- प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार द्वारा बढ़ाई गई समय-सीमा के भीतर, जांच को अंतिम रूप दिया है।
- प्राधिकारी ने 11-10-96 को मौखिक रूप से विचार सुनने के लिए सार्वजनिक सुनवाई की। सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाली सभी पार्टियों से अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करें। पार्टियों को सलाह दी गई थी कि वे विरोधी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रति प्राप्त कर लें तथा उनसे अनुरोध किया कि विपक्षी विचारों के खंडन में अपने विचार 24-10-96 तक प्रस्तुत कर दें।
- नियम सुपरा के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधारों की जानकारी ज्ञात सभी इच्छुक पार्टियों को दी गई तथा उन पर टिप्पणियां मांगी गईं जिन पर विधिवत विचार भी कर लिया गया है।

याचिकाकर्ता के विचार

3. प्रारंभिक निष्कर्षों के उत्तर में याचिकाकर्ता ने निम्नलिखित विचार प्रस्तुत किए:

- जिम्बाब्वे को प्रतिनियुक्त प्रतिनिधि (सरोगेट) के देश के रूप में भलीभांति अंगीकार किया गया है। जहां तक ब्राजील और यूरोपीय संघ, जो उसी तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, ने भी जिम्बाब्वे को प्रतिनियुक्त प्रतिनिधि देश के रूप में स्वीकार किया है और प्रतिपाटन शुल्क लगाया है।

- (ii) प्राधिकारी को जांच की अवधि के दौरान प्रचलित कारकों को भी ध्यान में रखना चाहिए तथा एल सी एफ सी की अद्यतन (बाद की) कीमतें आवश्यक नहीं हैं। यह भी संभव है कि निर्यातकों ने यह धारणा बनाने के लिए ही अस्थायी रूप से कीमतों में वृद्धि की हो कि वे पाटन नहीं कर रहे हैं।
- (iii) सीमाशुल्क में भी याचिका दायर करते समय 50% से इस समय 27% तक कमी की गई। यदि इसे ही माना जाता है तो सामग्री की लैंडिंग लागत और भी कम हो जाएगी।
- (iv) प्राधिकारी द्वारा सिफारिश की गई प्रतिपाटन शुल्क की राशि जितनी होनी चाहिए थी उससे काफी कम है विशेष रूप से मैसर्स डेरेक रेफेल एंड कं० लि., लंदन और मैसर्स सोसाइटी एनोनिम डेस मिलरल्स, लक्समबर्ग के मामले में।
- (v) ऐसा प्रतीत होता है कि प्राधिकारी द्वारा अंगीकार की गई वास्तविक बिक्री कीमत याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई वास्तविक बिक्री कीमत से काफी कम है। उपर्युक्त पैरा में उल्लिखित दो निर्यातकों के मामले में प्रतिपाटन शुल्क की दर लगभग 8000/- रु. तक कम है।

निर्यातकों, आयातकों और अन्य इच्छुक पार्टियों के विचार

4. आयातकों और निर्यातकों ने अपने विचार व्यक्त किए हैं और उनका संक्षिप्त ब्यौरा नीचे दिया गया है।

क. निर्यातक :

- (i) मैसर्स सिनक्रेंट ने उत्तर दिया कि प्राधिकारी द्वारा मांगी गई जानकारी रूप में देना संभव नहीं था क्योंकि विनियम की दर बदलती रहती है और यह अस्थायी है। प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली से निर्यातकों को अच्छी तरह से उत्तर देने का मौका ही नहीं मिला।
- (ii) याचिकाकर्ता का यह तर्क कि सामान्य मूल्य के संबंध में जानकारी उपलब्ध नहीं है, स्वीकार्य नहीं है। रूस के धात्विकी मंत्रालय ने 1993 और 1994 के लिए मासिक आधार पर एल सी एफ सी की कीमत प्रकाशित की है।
- (iii) रूस को उत्पादन की निर्माण लागत की जिम्बाव्वे के साथ तुलना नहीं की जा सकती है।
- (iv) प्रारंभिक निष्कर्षों का पैरा 10 अनिर्णायक है क्योंकि उल्लिखित सामान्य मूल्य माप की इकाई तथा कार्बन की मात्रा के बिना है।
- (v) भारत में आयात की गई एल सी एफ सी में कार्बन की मात्रा 0.15% तथा 0.25% है दोनों ही ग्रेडों का याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादन नहीं किया गया है।
- (vi) चूंकि प्रचलित बाजार कीमतों जांच की अवधि की तुलना में कहीं अधिक थीं, अतः समस्त मामला अनावश्यक है।

ख. आयातक तथा अन्य इच्छुक पार्टियाँ

- (i) प्राधिकारी ने बढ़ी हुई समय अवधि सहित नियमों के अंतर्गत निर्धारित समय-सीमा के भीतर जांच पूरी नहीं की है।
- (ii) सामान्य मूल्य के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी द्वारा आकलित उत्पादन की लागत बहुत ही संदेहपूर्ण है, क्योंकि लागत संबंधी ब्यौरे उपलब्ध नहीं हैं। जांच की अवधि के दौरान आयात करते

थे परन्तु बाद में कीमतों में वृद्धि हो गई थी। अंतर्राष्ट्रीय कीमतें इतनी जल्दी बढ़ती हैं तथा परिदृश्य इतनी तेजी से बदलता है कि पाटन करने की आवश्यकता संबंधी स्थितियाँ भी बदल जाती हैं।

- (iii) एल सी एफ सी में कीमतों में काफी अंतर है जो कि फैरो अलॉय में कार्बन की मात्रा पर निर्भर करती है। सामान्य मूल्य का आकलन करते समय प्राधिकारी को कार्बन की मात्रा का वर्गीकरण करना चाहिए।
- (iv) एल सी एफ सी के आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है क्योंकि पिछले वर्षों में आयात नाममात्र के हुए हैं। इस्पात उद्योग को मंदी का सामना करना पड़ रहा है जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन में कमी आयी है। याचिकाकर्ता के मामले में उत्पादन में कमी स्टेनलैस इस्पात के उत्पादन में कमी लगभग समान है, जिसके लिए एल सी एफ सी का प्रयोग किया जाता है।
- (v) अधिकांश संख्या में उपभोक्ताओं ने तकनालौजी में परिवर्तन किया है जिसके परिणामस्वरूप एल सी.एफ सी की मांग में कमी आयी है।
- (vi) एल सी एफ सी तथा एल सी एफ सी की कीमतों में तुलना जांच के प्रयोजनों के लिए आवश्यक नहीं है जैसा कि प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों में पाया। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इन दोनों की कीमतों में अंतर 19/- रु. प्रति कि.ग्रा. है जबकि भारत के मामले में 40/- रु. प्रति कि.ग्रा. है।
- (vii) प्रतिपाटन शुल्क लगाने से केवल उत्पादक के एकाधिकार को ही फायदा होगा।
- (viii) उपर्युक्त नियम 16 के अनुसार आवश्यक तथ्य बतलाते समय प्राधिकारी ने वे आंकड़े नहीं बताए हैं जिन पर उत्पादन लागत आधारित हैं। उन्होंने सामान्य कीमत और क्षति मार्जिन के बारे में भी जानकारी चाही। यह समझा गया है कि उन्होंने जो सूचना मांगी है वह उत्तर देने हेतु उनके लिए आवश्यक होगी।

प्राधिकारी द्वारा जांच

5. इन निष्कर्षों पर पहुंचते समय प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता, निर्यातकों, आयातकों और अन्य पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की तथा उन पर विचार किया और जहां उपर्युक्त समझा गया, वहां इसके बाद कार्रवाई की गई। आवश्यक तथ्यों के उजागर हो जाने के पश्चात् की गयी टिप्पणियों पर भी इसके बाद उचित कार्रवाई की गई है।

6. प्राधिकारी इस बात की पुष्टि करते हैं कि निर्यातकों से निर्धारित फार्म तथा तरीके से कोई सीधा उत्तर न मिलने के कारण उक्त नियम 6(8) सुपरा के अनुसार उसके पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर इन निष्कर्षों पर पहुंचा है।

समान वस्तुएं तथा घरेलू उद्योग

7. नियम 2(घ) के तहत "समान वस्तु" का मतलब उस वस्तु से है जो भारत में डम्प की गई वस्तु से हर मामले में एक जैसी हो अथवा उसी के समान हो, अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में ऐसी दूसरी वस्तु जो हर मामले में वैसी न हो लेकिन उन वस्तुओं की विशेषता लिए हुए हो जिन वस्तुओं की जांच की जा रही है।

8. विचाराधीन उत्पाद, जिसकी डंपिंग के लिए जांच की जा रही है, को प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 10 में परिभाषित किया गया है, जो कार्बन फेरो क्रोम है (अधिकतर एल सी एफ सी के नाम से जाना जाता है) जिसमें कार्बन की मात्रा 0.3% से 0.2% है तथा इसमें क्रोमीयम की मात्रा 65% और 70% के बीच है।

9. प्राधिकारी ने यह बात नोट की है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं में वे विशेषताएँ हैं जो जांच की जा रही वस्तुओं में हैं। इसलिए नियम 2(घ) में दी गई परिभाषा में निर्धारित मानदण्ड पर्याप्त रूप से संतोषजनक हैं। प्राधिकारी ने यह बात भी नोट की है कि रूस तथा कजाकिस्तान मूल की आयातित वस्तुओं ने घरेलू उद्योग-वाणिज्यिक और तकनीकी दोनों प्रकार से उत्पादित वस्तुओं का स्थान लिया है।

10. प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 11-13 की पुष्टि करता है तथा इस बात की भी पुष्टि करता है कि रूस तथा कजाकिस्तान से भारत को निर्यातित एल.सी.एफ. सी. तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एल.सी.एफ. सी. उपरोक्त नियम के अर्थ के भीतर समान वस्तुएँ हैं।

सामान्य मूल्य

11. धारा 9ए(1)(सी) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :

- (1) व्यापार के सामान्य क्रम में, सामान वस्तु जब निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के उद्देश्य से है तो उसके लिए तुलनात्मक कीमत उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित की जाती है, या
- (2) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान मिलती-जुलती वस्तु की बिक्री नहीं है, या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं हो सकती है, तब सामान्य मूल्य निम्नांकित दोनों में से एक होगा :
 - (क) समान वस्तु की तुलनात्मक प्रतिनिधि कीमत जबकि इसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र या एक उपयुक्त तीसरे देश से किया जाता है जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाता है, अथवा
 - (ख) उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत तथा उसमें प्रशासनात्मक, बिक्री संबंधी और सामान्य लागतों तथा लाभों के लिए उचित कीमत जोड़ी जाती है, जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाता है।

लेकिन शर्त यह है कि उद्गम वाले देश से भिन्न किसी अन्य देश से वस्तु के आयात के मामले में और जहाँ वस्तु को सिर्फ निर्यातक देश से होकर वाहनान्तरित किया गया या ऐसी वस्तु निर्यातक देश में उत्पादित नहीं की जाती है या निर्यातक देश में कोई तुलनात्मक कीमत नहीं है, तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

12. प्राधिकारी ने ऊपर बताई गई धारा के संबंध में सामान्य कीमत के निर्धारण के उद्देश्य से सभी ज्ञात निर्यातकों को निर्यातक संबंधी प्रश्नावलियाँ भेजी थीं। लेकिन प्राधिकारी ने नोट किया है कि किसी भी निर्यातक ने

प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है और निर्धारित रूप और तरीके से कोई भी सूचना नहीं भेजी है। किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा सत्यापन के लिए अपने को प्रस्तुत नहीं किया है।

13. मैसर्स सिनक्रीट का यह दावा कि भारतीय रुपए में प्राधिकारी द्वारा मांगी गई सूचना उपलब्ध कराना असंभव था, अस्वीकार्य है। प्राधिकारी ने सूचना अमरीकी डालर के साथ-साथ लागू अन्य विनिमय दरों में मांगी थी। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि निर्यातक ने प्रारंभिक निष्कर्ष से पूर्व प्राधिकारी को कभी कोई कठिनाई नहीं बताई, निर्यातक के इस दावे में कोई वजन नहीं है।

14. निर्यातक का यह दावा कि मूल्यों के बारे में सूचना वर्ष 1993, 1994 में रूस के धातु कर्म मंत्रालय द्वारा नियमित रूप से प्रकाशित की गई, निराधार है, क्योंकि न तो किसी निर्यातक ने और न ही किन्हीं अन्य इच्छुक पार्टियों ने इस प्रकार के प्रकाशित मूल्य भेजे हैं। यह दावा निराधार होने की वजह से रद्द किया जाता है।

15. सभी निर्यातकों ने रूस और कजाकिस्तान मूल की वस्तुओं का केवल वाहनान्तरण किया है और इस प्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश अर्थात् रूस और कजाकिस्तान के संदर्भ में, धारा 9ए की उपधारा 1(सी) के अनुसार किया जाना है।

16. रूस और कजाकिस्तान में बाजार परिस्थिति को देखते हुए और संबंधित सूचना उपलब्ध न होने की वजह से सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्राधिकारी यह उचित समझता है कि धारा 9ए के खण्ड (ग)(2) का सहारा लिया जाए।

17. धारा 9ए के खण्ड (ग)(2) के अंतर्गत प्राधिकारी को उप-धारा (2)(क) या (2)(ख) का सहारा लेने का स्पष्ट विकल्प होता है।

चूंकि निर्यातकों के सहयोग न मिलने के कारण उप-खण्ड (2)(क) के अंतर्गत सामान्य कीमत के निर्धारण की पर्याप्त सूचना उपलब्ध नहीं है, इसलिए इन परिस्थितियों में प्राधिकारी यह उपयुक्त समझते हैं कि उपयुक्त समायोजनों के साथ उत्पाद की लागत के आधार पर उप-खण्ड (2)(ख) के अनुसार सामान्य कीमत का निर्धारण किया जाए।

18. अतः प्राधिकारी ने मूल देश की उत्पादन-लागत के आधार पर सामान्य कीमत निकाली। किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को सहयोग नहीं दिया और न उत्पादन लागत के बारे में कोई तथ्यात्मक सूचना ही दी और आयातकों द्वारा दी गयी सूचना अपर्याप्त है। प्राधिकारी ने उन नियमों के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर उत्पादन लागत निकाली जो नियम, उसे उपलब्ध तथ्यों के आधार पर मूल देश की उत्पादन लागत-लागत निकालने के लिए प्राधिकृत करते हैं। इसलिए प्राधिकारी ने भारतीय उद्योग के लागत आंकड़ों के आधार पर रूस और कजाकिस्तान में उत्पादन की लागत निकाली है। तथापि, चूंकि याचिकाकर्ता के अनुसार रूस में पावर दरें बहुत कम हैं, इसलिए प्राधिकारी ने रूस और कजाकिस्तान में उत्पादन लागत निकालने के लिए जिम्बाबे में प्रचलित पावर दरों पर विचार किया है। सामान्य कीमत 163 अमरीकी डालर प्रति मी. टन मानी गयी है। यही सामान्य कीमत सभी निर्यातकों के लिए मानी गयी है।

19. उपर्युक्त विस्तृत विवरण के अतिरिक्त प्राधिकारी रूस और कजाकिस्तान के लिए एल सी एफ सी के सामान्य मूल्य के बारे में प्रारम्भिक जांच के पैरा 14 से 18 की पुष्टि करते हैं।

निर्यात कीमत

20. निर्यातक कारखानागत निर्यात कीमत देने में असफल रहे हैं और निर्यातकों के असहयोग की वजह से प्राधिकारी यह बात नोट करता है कि सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के सिद्धान्तों के अनुसार याचिकाकर्ता द्वारा हट्टी बिलों और बीजकों की फोटोप्रतियों के रूप में उपलब्ध कराई गयी सूचना के आधार पर कारखानागत निर्यात कीमत निकालनी होगी। प्राधिकारी ने रूस और कजाकिस्तान में अन्तर्देशीय फ्रेट के बारे में किसी साक्ष्य के अभाव में एफ ओ बी निर्यात कीमत को कारखानागत निर्यात कीमत माना है।

21. उपर्युक्त विस्तृत विवरण के अतिरिक्त प्राधिकारी एल सी एफ सी के निर्यात मूल्यों के बारे में प्रारम्भिक जांच के पैरा 19 से 26 की पुष्टि करते हैं।

तुलना

22. प्राधिकारी, निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना के बारे में प्रारम्भिक जांच-परिणामों के पैरा 27 से 29 की पुष्टि करते हैं।

क्षति

23. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक हानि के संबंध में मानदण्डों की जानकारी काफी विस्तार से दी थी। प्रारम्भिक जांच परिणामों में प्राधिकारी द्वारा उजागर किए गए मानदण्डों के बारे में इच्छुक पार्टियों के पास टिप्पणी करने का अवसर था।

24. प्राधिकारी ने प्रारम्भिक जांच में उचित बिक्री कीमत का निर्धारण क्षमता उपयोग के अधिकतम स्तर पर किया है। इस प्रकार, घटती हुई मांग, यदि कोई हो, के किसी भी प्रभाव को समाप्त किया गया है।

25. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में प्राधिकारी ने प्रारम्भिक जांच-परिणामों के पैरा 32 से 39 में जिस सूचना पर विश्वास किया है, उसका भी खण्डन नहीं किया गया है।

26. यह स्पष्ट किया जाता है कि प्राधिकारी ने उचित बिक्री कीमत के बारे में केवल याचिकाकर्ता द्वारा किए गए निवेदन पर ही विश्वास नहीं किया है। प्राधिकारी ने स्थान पर ही जांच के लिए लागत लेखाकारों की ए टीम को तैनात किया और घरेलू उद्योग के लिए भारत में एल सी एफ सी का उचित बिक्री मूल्य निकाला है। चूंकि यह याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए गोपनीय आंकड़ों पर आधारित है, इसलिए प्राधिकारी इस पर विस्तृत रूप से चर्चा नहीं करता है।

27. इच्छुक पार्टियों के तर्कों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी घरेलू उद्योग को हुई हानि के बारे में प्रारम्भिक जांच परिणामों के पैरा 30 से 40 की पुष्टि करते हैं।

कार्य-करण संबंध

28. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उचित बिक्री कीमत का हिसाब लगाया है और इस प्रकार, इस्पात उद्योग में मंदी जैसे बाहरी कारणों के अगर कोई प्रभाव हो, तो उन्हें निष्क्रिय कर दिया गया है।

29. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में प्रारम्भिक जांच-परिणामों के पैरा 30 से 40 में प्राधिकारी ने जिस सूचना पर विश्वास किया, उसका भी खण्डन नहीं किया गया है।

30. सभी सम्बद्ध मुद्दों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी रूस और कजाकिस्तान मूल के एल सी एफ सी के पाटन और घरेलू उद्योग को हुई

क्षति के बीच कार्य-कारण संबंध के बारे में प्रारम्भिक जांच के पैरा 41 की पुष्टि करते हैं।

भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

31. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भिन्न-भिन्न कार्बन तत्व वाले एल सी एफ सी की उत्पादन प्रक्रिया एक जैसी होती है और उसमें भिन्न-भिन्न कार्बन तत्व वाले एल सी एफ सी के उत्पादन में किसी विशेष उपकरण, अतिरिक्त सामग्री, अतिरिक्त कार्यविधि की आवश्यकता नहीं होती है।

(1) मैसर्स ऑल इंडिया फरनेस एसोसिएशन (ए आई आई एफ ए) का यह दावा कि जांच समय सीमा के भीतर पूरी नहीं की गयी, गलत है। समय की सीमा प्रारम्भ करने की तारीख से शुरू होती है न कि डम्पिंग का आरोप लगाने की तारीख से। संदर्भित मामले में, जांच शुरू की गयी थी और अंतिम जांच परिणाम 5 सितम्बर, 1996 को अधिमसूचित किए जाने थे क्योंकि 12 महीने की अवधि को 6 महीने के लिए आगे और बढ़ा दिया गया था जैसा कि उपरोक्त पैरा — में विस्तृत ब्यौरा दिया गया है।

32. सीमा शुल्क की वर्तमान दर, याचिकाकर्ता द्वारा एल सी एफ सी की बिक्री कीमत में परिवर्तन और जांच अवधि के बाद हुए अन्य परिवर्तन जांच की परिधि के बाहर हैं। तथापि, उपयुक्त नियमों के अनुसार, जांच से सम्बद्ध कोई भी पार्टी वर्तमान जांच परिणामों की समीक्षा हेतु प्राधिकारी से अनुरोध कर सकती है।

(1) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि कजाकिस्तान के उत्पादकों ने जून, 93 से उत्पादन करना बंद कर दिया है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क किसी वस्तु के आयात पर देय होता है और उत्पादन की बात इस प्रयोजन के लिए असंगत है।

(2) याचिकाकर्ता द्वारा प्रार्थित पाटनरोधी शुल्क से कम शुल्क लगाने के बारे में यह पाया गया है कि याचिकाकर्ता का परिकलन 30% सीमा शुल्क के आधार पर है। वर्ष 1994-95 के दौरान सीमाशुल्क की दर 50% थी जिसे घटाकर बाद के साल के लिए 30% कर दिया गया था।

(3) यह कहना गलत है कि याचिकाकर्ता 0.15% और 0.25% के बीच कार्बन तत्व वाले एल सी एफ सी का उत्पादन नहीं कर रहा है। ए आई आई एफ ए द्वारा दिए गए साक्ष्यों से भी यह बात स्पष्ट है कि एफ ए सी ओ आर इस ग्रेड के लिए अपने मूल्यों का हवाला दे रहा है।

(4) एफ ए सी ओ आर एक मात्र उत्पादक नहीं है। ए आई आई एफ ए जिसने स्वयं यह साक्ष्य संलग्न किया है उसने यह तर्क दिया है कि इस उत्पादन के भारत में और भी उत्पादक हैं। इस तर्क में दी गई तथ्यात्मक त्रुटियां होते हुए भी यह मामला वर्तमान कार्यवाहियों में असंगत हैं क्योंकि अकेले उत्पादक के अधिकार को पाटनरोधी एक्ट के तहत तब तक सीमित नहीं किया जा सकता है जब तक कि याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग के मानदण्ड को पूरा नहीं करता है। इसके अलावा, यह देखा गया है कि एल सी एफ सी के घरेलू उत्पादक विभिन्न स्रोतों से इसके आयात पर सीधी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे हैं और वे इस स्थिति में नहीं हैं कि वे एल सी एफ सी के बाजार में अपना अधिपत्य कायम कर सकें अथवा इसके मूल्यों में हेराफेरी कर सकें।

इसके अलावा, पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन, जैसाकि प्रारम्भिक जांच परिणामों के पैरा 42 में विस्तृत रूप में बताया गया है, उस पाटन को समाप्त करना है जिसने घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचायी है और एक उचित

8. The product under consideration which has been investigated for dumping has been defined in para 10 of the preliminary findings, which is Low Carbon Ferro Chrome (widely known as LCFC) having carbon content ranging between 0.03% to 0.20% and Chromium content ranging between 65% and 70%.

9. The Authority notes that the articles produced by the domestic industry have characteristics closely resembling those of article under investigation and therefore the criteria prescribed in the definition under Rule 2(d) are adequately satisfied. The Authority also notes that the articles imported originating from Russia and Kazakhstan have substituted the articles produced by the domestic industry—both commercially and technically.

10. The Authority confirms paras 11—13 of the Preliminary Findings and confirms that LCFC produced by the Domestic Industry is like article to the LCFC exported to India originating in or exported from Russia and Kazakhstan within the meaning of the rules supra.

NORMAL VALUE

11. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means :

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market in the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either—
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6) :

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

12. The Authority had sent exporters questionnaire to all the known exporters for the purpose of determination of

normal value in terms of the section cited above. However, the Authority notes that none of the exporters have co-operated with the Authority and no information has been furnished in the form and manner prescribed. None of the exporters has also offered itself for verification by the Authority.

13. The contention of M/s. SYNCRET that it was impossible to provide information requested by the Authority in Indian rupees is unacceptable. The Authority had asked for the information in US \$ alongwith applicable exchange rates. In view of the fact that the exporter never stated any difficulty to the Authority before the preliminary findings, the contention of the exporter is without any force.

14. The contention of exporter that the information about prices being regularly published by the Ministry of Metallurgy in Russia in 1993, 1994 remains unsubstantiated as neither any of the exporters nor any other interested parties have furnished any such published prices. The contention, being unsubstantiated, is rejected.

15. All the exporters have merely transhipped the goods originating from Russia and Kazakhstan and therefore the Normal Value has to be determined with reference to the country of origin i.e., Russia and Kazakhstan in terms of proviso to sub-section 1(c) of section 9A.

16. The Authority notes that in view of the market situation in Russia and Kazakhstan and in view of the non-availability of relevant information, the Authority considers it appropriate to resort to clause (c)(ii) of section 9A for determination of the Normal Value.

17. Under clause (c)(ii) of section 9A(i), the Authority has the clear option of resorting either to sub-clause (ii)(a) or (ii)(b).

Since sufficient information is not available for working out Normal Value in accordance with sub-clause (ii)(a) because of non-co-operation from the exporters, the Authority considers it appropriate to determine the normal value in terms of sub-clause (ii)(b) on the basis of cost of production with appropriate adjustments.

The Authority has, therefore, worked out normal value on the basis of cost of production in the country of origin. None of the exporters has co-operated with the Authority and furnished factual information with regard to cost of production, and the information furnished by the importers is insufficient. The Authority has worked out cost of production on the basis of the best information available in accordance with the Rules which authorise the Authority to work out cost of production in the country of origin on the basis of facts available with it. The Authority has, therefore, worked out cost of production in Russia and Kazakhstan on the basis of cost data on the Indian industry. However, since power rates are reported by the petitioner to be much lower in Russia, the Authority has considered power rates prevailing in Zimbabwe for constructing cost of production in Russia and Kazakhstan. The Normal Value has been considered at US \$ 163 per MT. The same level of Normal Value have been considered for all the exporters.

18. Except as detailed in the foregoing, the Authority confirms the paras 14 to 18 of the Preliminary Findings with regard to Normal Value of LCFC for Russia and Kazakhstan.

EXPORT PRICE

19. The exporters have failed to furnish ex-works Export Price and the absence of any co-operation from the exporters, the Authority notes that ex-works Export Prices have to be worked out on the basis of the information made available by the petitioner in the form of photocopies of Bills of Entry and Invoices in accordance with the Principle of best available information. The Authority has treated FOB Export Price as ex-works Export Price in the absence of any evidence on the inland freight in Russia and Kazakhstan.

20. Except as detailed in the foregoing, the Authority confirms the paras 19 to 26 of the Preliminary Findings with regard to Export Price of LCFC.

COMPARISON

21. The Authority confirms the paras 27 to 29 of the Preliminary Findings with regard to comparison of Export Price and Normal Value.

INJURY

22. The Authority had disclosed, in sufficient detail, parameters relating to material injury suffered by the Domestic Industry. The interested parties had the opportunity to comment on these parameters disclosed by the Authority in the Preliminary Findings.

23. The Authority has worked out the fair selling price in the Preliminary Findings at an optimum level of capacity utilisation, thus nullifying the effects of declining demand, if any.

24. The information relied upon by the Authority in paras 32 to 39 of Preliminary Findings with regard to the injury to the Domestic Industry has also not been controverted.

25. It is clarified that the Authority has not merely relied upon the submissions of the petitioner regarding fair selling price. The Authority deputed a team consisting of Cost Accountants for on-the-spot investigation and has worked out, in detail, the fair selling price of LCFC in India for the domestic industry. Since the same is based on confidential data furnished by the petitioner, the Authority refrains from discussing the details.

26. After considering the arguments raised by the interested parties the Authority confirms paras 30 to 40 of the Preliminary Findings relating to injury to the domestic industry.

CAUSAL LINK

27. The Authority has worked out Fair Selling Price for the Domestic Industry and therefore, the effects of extraneous factors like recession in the Steel industry, if any, are nullified.

28. The information relied upon by the Authority in paras 30 to 40 of Preliminary Findings with regard to the injury to the Domestic Industry has also not been controverted.

29. The Authority after considering all related issues, confirms para 41 of the Preliminary Findings with regard to causal link between dumping of LCFC originating from Russia and Kazakhstan and material injury to the domestic industry.

INDIAN INDUSTRY'S INTEREST AND OTHER ISSUES

30. The Authority notes that LCFC having varying carbon content result from the same identical production process, and does not require any special equipment, extra material, extra processing to produce LCFC of varying carbon content.

31. The contention of the M/s. All India Induction Furnace Association (AIIFA) that the investigation had not been concluded within the time limits is incorrect. The time limit starts from the date of initiation and not from the date of dumping allegation. In the instant case the investigation was initiated on and the final findings are required to be notified by 5th December, 1996 as the period of 12 months was extended by a further 6 months as detailed in para supra.

32. The current rate of customs duty, changes in selling price of LCFC by the petitioner and any other changes subsequent to the investigation period are outside the scope of this investigation. However, any party to the investigation may request the Authority for review of the present findings, in accordance with the Rules supra.

33. As regards the argument that the producers in Kazakhstan have stopped production from June 93, the Authority notes that anti dumping duty is payable upon importation of an article and the fact of production is irrelevant for the purpose.

34. With regard to lower Anti Dumping Duty than requested by the petitioner, it is found that the petitioner's calculations are based on customs duty @ 30%. Custom duty during 1994-95 was @ 50% which was brought down to 30% in the following year.

35. It is incorrect to say that petitioner is not producing LCFC having carbon content between 0.15% and 0.25%. It is clear even from the evidence attached by the AIIFA that FACOR is quoting its prices for the said grades.

36. FACOR is not a monopoly producer. AIIFA, who has raised the argument, itself has attached evidence that the product is being produced by others also in India. Notwithstanding the factual inaccuracies in the argument, the issue is also irrelevant in the present proceedings as the right of a single producer can not be restricted under the Anti Dumping Act, so long as the petitioner satisfies the criterion of Domestic Industry. Moreover, it is observed that the domestic producers are facing direct competition from imports of LCFC from various sources and they are not in a position to dictate or manipulate the prices or the market of LCFC.

Moreover the purpose of anti-dumping duties, as detailed in paras 42 to of the Preliminary Findings, is to remove dumping which has caused injury to the domestic industry

and to re-establish a situation of fair competition and not to restrain imports from any specific source.

37. The contention with regard to price difference of LCFC and HCFC is incorrect and irrelevant to the present proceedings. The Authority has, however, not done a detailed investigation with regard to HCFC, the same being an article beyond the scope of the present investigation.

38. Decline in demand for LCFC, if any, has been taken care of by considering fair selling price at normative level of capacity utilisation.

39. The current national and international prices of LCFC are irrelevant for the present investigation and, therefore, the arguments in this regard are rejected.

40. It is clarified that the Authority has worked out Normal Value, Export Price and fair selling price for LCFC having 66.1% Cr. content and distinction with regard to Carbon content has been ignored.

41. Except as detailed in the foregoing, the Authority confirms the paras 19 to 26 of the Preliminary Findings.

FINAL FINDINGS

42. The Authority has, after considering the foregoing come to the conclusion that :

- (i) LCFC originating in or exported from Russia and Kazakhstan has been exported to India below its normal value;

- (ii) the domestic industry has suffered material injury;
- (iii) the injury has been caused to the Domestic Industry by the exports originating in or exported from Russia and Kazakhstan.

43. The Authority therefore, confirms paras 47 to 49 of the Preliminary Findings and recommends imposition of final Anti-Dumping Duties on all imports of LCFC originating in or exported from Russia and Kazakhstan at the rates specified below :

Name of the Exporter	Amount of Duty (Rs. per MT)
I. Country of Origin : Russia	
Derek Raphael & Co., London	10900
Norcalloys SA, Luxemburg	17400
Norcalloys LP, New York	18600
Societe Anonyme Des Minerals, Luxemburg	12300
SYNCRET BV, Rotterdam	16900
Exporters other than above	18600
II. Country of Origin : Kazakhstan	
Societe Anonyme Des Minerals, Luxemburg	18500
Exporters other than above	18500

44. Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings dated 23-5-1996.

DIPAK CHATTERJEE, Designated Authority